Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **4**

# APMA–306

## M.A. (Previous) Examination, 2023

## RAJASTHANI

Paper - II

## (प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य)

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)**

**खण्ड–अ** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर् **50** सबदां मांय देवणां है।

**खण्ड–ब** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात सवालां मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर् **8** अंक राखीज्या है।

**खण्ड–स** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार सवालां मांय सू कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर् **20** अंक राखीज्या है।

## खण्ड–अ

1. छोटा सवाल (सबद सीमा **50** : जवाब सारू)–

(i) भरमल कुण ठौड़ री राजकुंवरी ही, नाम बताओ।

(ii) कुंवरसी सांखला री मां रो नाम बताओ।

(iii) कुंवरसी खांखला साहित री कुणसी विधा री रचना है ?

(iv) जगदेव परमार री बात में वीरमति रो अपहरण कर'र कुण ले जावै ?

(v) जगदेव परमार रै माँ–बाप रो नाम बताओ।

(vi) अचलदास रो जुद्ध किणरै सागै हुयो, नाम बताओ।

(vii) अचलदास खीची री वचनिका रै मूल रचयिता रो नाम बताओ।

(viii) मींया बुढण रो परिचै, बताओ।

(ix) गंगेव मींमाबत री राणियां री कोई **दो** विशेषतावां बताओ।

(x) राजस्थानी भाषा री **दो** वचनिकां वां रा नाम बताओ।

## खण्ड–ब

**नोट** :– कोई पांच सवालां रा जवाब दो (सबद सीमा **200** सबद)।

2. सांखलो खींवसी 'चरु सुगाल' किणभांत बणै, विगतवार व्यौरो देय'र समझाओ।

3. बीरमती री वीरता रो बखाण उदाहरण देय'र आपरै सबदां में उजागर करो।

4. सप्रसंग व्याख्या करो–

अचलेसर तउ किसउ ? उत्तर-दक्खिन पूरब पच्छिम कउ भड़-किंवाड़। आइन्यां अजइयाळू। अहंकारी रावण। दूसरउ धारु। तीसरउ सिंघण। छइ दरसण छयाणवइ पाखंड कउ अधार। बालउ चकरवती। धन-धन हो राजा अचळेसर। थारउ जियउ, जिण हइ पातिसाह सउं खांडउ लियउ।

5. इसउ हिंदू राजा उयकं ठि कउण छइ जिकइ मनि पातिसाह की रीसबसी, कउण-का माथा तइ खिसी ? कउण-हइ दई रुठउ ? कउण की माई विवाणी, जू सामाउ रहइ अणी पाणी ? आज तउ सोम सातल कान्हडदे नहीं, तिलक छपरि तउ गही लउतु नहीं, सीटउरि रउल, नहीं, हठकउराउ हमीर आथम्यउ।

6. परसपर दोनूं देख घणां राजी हुया। बीजी सारी बात भूल गया। अरस-परस देखण लागा। सो देखता दोनां री निजर तिरपत न हुवै। फेरा ले चुका। अंतरपट कर सहैल्यां हथ बोळणै रो कसार मुंह आगै आण राखीयो। ताहरां भरमल अरज हो ळै-सी की नी, सो आज रात चाकर पर किरपा कर विराजै तो मोटी करै। साहरां कुंवरसी कहां, ज्यूं ये सुख पासयो त्यूं करसां।

7. नाळेर रिणधवळ नै दीधो। राज रो धणी छै पिण ज्योति कांति छै, तिकै जगदेव री होड नी करै। गेहणा-पौसाक नहीं तो पिण रिणधवळ सूरज आगै चन्द्रमा दी सै त्यूं दी सै थो। पिण लेख सूं जोर नहीं। तरै राजा कहयो, धणा चूका, दीधो विण दीधो हुवै नहीं नै दूजी बाई काई नहीं।

8. नहा उपरांत केसर मंगाय जै छै। सूं केसर किण भांव री छै ? अेराकारी किसतवाड री, कासमीरी, जाडी पांखड़ी री, बंटवी डांडी री। सूं केसर-चंदण रा सूकड़ा सूं जेसळमेर रा, ओरीसाम होसनाक जुवान घसै छै। ऊजळ रूपोटां में उतारजै छै। देसोतारै मुंहडै आगै राखजै छै। तिण तिलक कीजै छै।

## खण्ड–स

**नोट** :– कोई दो सवालां रा जवाब लिखो (सबद सीमा **500** सबद हर जवाब)।

9. कुंवरसी सांखळा' साहित्य री किण विधा री रचना है, सतर्क आपरो पक्ष प्रस्तुत करो।

10. अचलदास खीची री वचनिका' रै रचनाकार कविमन युद्धवर्णन सूं ज्यादा जौहरवर्णन में लाग्योड़ो लखावै, रचना रै आधार पर, उदाहरण सहित, आपरा तर्क प्रस्तुत करो।

**अथवा**

अचलदास खीची री वचनिका री भाषा पर एक आलेख लिखो।

11. जगदेव परमार री चरित्रगत विशेषतावां रो लेखो–जोखो उदाहरण सहित उजागर करो।

12. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग–1 में सामन्ती जुग रा दरसाव उजागर हुया है, उदाहरण सहित आपरो पक्ष प्रस्तुत करो।